समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

० सितम्बर २०१६ ० वर्ष ६७ ० अंक ९

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

०३ सितम्बर २०१६ को कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला एवं युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि अग्रवाल के साथ समिति के अन्य सदस्य।

०२ सितम्बर २०१६ को कोलकाता में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा की शीर्ष समन्वय समिति की बैठक में सम्मेलन एवं मंच के पदाधिकारीगण।

विजयदशमी एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें!

इस अंक में :

- अध्यक्षीय : सुरक्षा और शान्ति के लिए हर कदम जरूरी
- सम्पादकीय : संघे शक्ति कलियुगे
- कार्यकारिणी समिति की बैठक : रपट
- अखिल भारतीय समिति का गठन
- प्रादेशिक समाचार : बिहार, पूर्वोत्तर एवं दिल्ली
- थाने आवे लाज बताता निज नै राजस्थानी

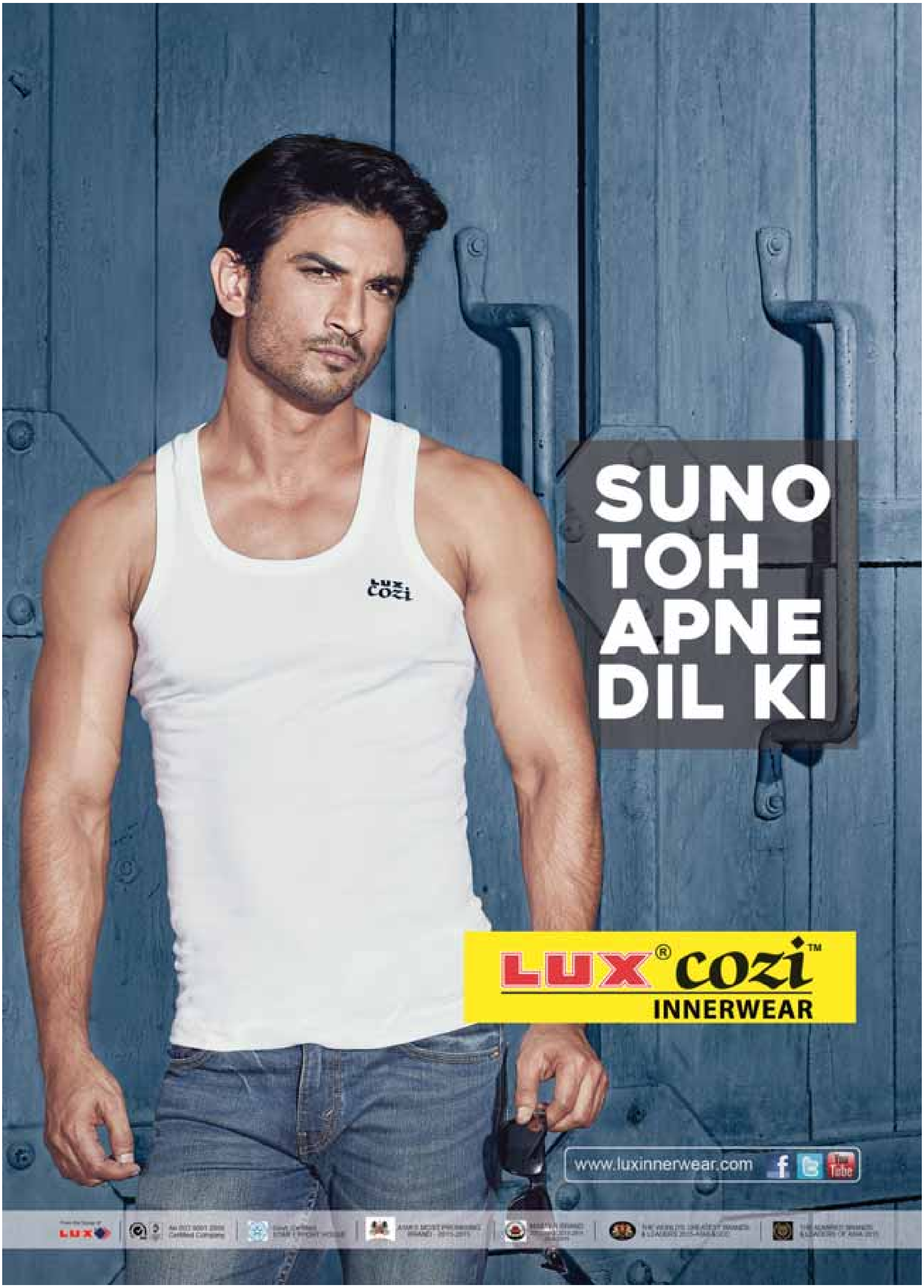
SUNO
TOH
APNE
DIL KI
LUX® cozi™
INNERWEAR
www.luxinnerwear.com
LUX cozi

समाज विकास

◆ सितम्बर २०१६ ◆ वर्ष ६७ ◆ अंक ९

◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** संघे शक्ति कलियुगे	३
• **सम्मेलन की संस्था गत सदस्यता**	५
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** सुरक्षा और शांति के लिए हर कदम जरूरी	५
• **केन्द्रीय / प्रान्तीय समाचार**	७-१९
• **विविध**	२०-२६
• **लेख : शिव कुमार लोहिया** 'थाणे आवै लाज बताता निज नै राजस्थानी'	२७

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**

फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com

◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : संतोष सराफ

सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

संघे शक्ति कलियुगे

– सन्तोष सराफ

कहा गया है 'संघे शक्ति कलियुगे'। कलियुग में संगठन की शक्ति महत्वपूर्ण है। आज हम देख रहे हैं कि देश में जो समाज स्वयं को संगठित करके अपनी आवाज बुलंद करने में सक्षम है, उसकी आवाज जल्दी सुनी जाती है। कभी-कभी ऐसा भी देखा जाता है कि ऐसी परिस्थिति में माँग जायज हो नाजायज, उनकी बात को सम्मानपूर्वक सुना जाता है। हमारा समाज एवं समाजबंधु प्रारंभ से ही कामशील रहे हैं। उद्योग, व्यापार, नौकरी, सभी क्षेत्रों में समाजबंधुओं ने अपनी मेहनत, लगन से अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। पर हमारी आवाज कमजोर है। हमें उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है। देश के प्रत्येक भाग में समाजबंधु बसे हुए हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन देश में समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। समय-समय पर जो भी, जहाँ भी, समाज के लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है, सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभाई है। ऐसे मौकों पर ऐसा महसूस होता है कि सम्मेलन के हस्तक्षेप को और अधिक कारगार करने के लिए सम्मेलन को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। यह मजबूती आयेगी। इसके लिये दो तरफा प्रयास आवश्यक है। प्रथम है, कम से कम देश के प्रत्येक जिले में सम्मेलन की शाखा खोली जाय। दूसरा, प्रत्येक घर से कम से कम एक समाजबंधु को सम्मेलन का सदस्य बनाया जाय। सभी प्रांतों में सम्मेलन में सक्रियता लाने की आवश्यकता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए हाल ही में आयोजित २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन में **'संगठित समाज सशक्त आवाज'** का नारा स्वीकृत किया गया है।

हर्ष की बात है कि नये सत्र में इस उद्देश्य के मद्देनजर आवश्यक प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों के सुफल भी मिल रहे हैं। बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पूर्वोत्तर, दिल्ली प्रांतों में उल्लेखनीय सफलता मिली है। राष्ट्रीय कार्यालय से पुरजोर प्रयास किये जा रहे हैं। समाज के सभी को एकजुट होना होगा। आपसी मेल-जोल बढ़ाकर सम्मेलन ने समाज की अनेक संस्थाओं के साथ विचार-विमर्श कर सहयोग का हाथ बढ़ाने का आह्वान किया है। इस ओर भी सफलता मिल रही है। कोलकाता, हवड़ा की २० संस्थाओं ने अब तक सम्मेलन के की सम्बद्धता ग्रहण की है। हम उनके आभारी हैं।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि लक्ष्य कठिन है, पर असंभव नहीं। इस लक्ष्य को लेकर हमें आगे बढ़ना है। समाज संगठित हो जाने पर, सम्मेलन की आवाज सशक्त होगी इसमें कोई शक नहीं है। इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना है। ★★★

दीपावली प्रीति मिलन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वाधान में आगामी ३१ अक्तूबर २०१६ (सोमवार) को, सायं ४ बजे, हल्दीराम बैंक्विट् हाल (२४, बालीगंज पार्क, कोलकाता - १९) में 'दीपावली प्रीति मिलन' का आयोजन किया गया है।

सम्मेलन के सभी सदस्य सादर आमंत्रित हैं।

शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

अखिल भारतीय समिति की बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीतिनिर्धारक अखिल भारतीय समिति की बैठक ११ दिसम्बर २०१६ (रविवार) को, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में, पटना में आयोजित की जा रही है। औपचारिक पत्र यथासमय प्रेषित किए जायेंगे।

नवगठित अखिल भारतीय समिति के सभी सदस्यों (सूची पृष्ठ १३-१४ पर) से आवश्यक यात्रा-व्यवस्था समयानुसार कर लेने का सादर अनुरोध है।

शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

२००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिता : व्यवहार में परिणत कराये सम्मेलन

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुई हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनों तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है :

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की बनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाजचिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

जुगलकिशोर सराफ
चेयरमैन,
समाज सुधार उपसमिति

सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
चेयरमैन, सलाहकार उपसमिति

सम्मेलन की संस्थागत सम्बद्धता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला द्वारा स्थानीय सामाजिक संगठनों के साथ बैठकें कर उन्हें अपने कार्यक्रमों के साथ जोड़ने की पहल की गयी। मंत्रणा बैठक की संज्ञा से गत ११ जून, २४ जून एवं ०८ जुलाई २०१६ को स्थानीय सामाजिक संस्थाओं के साथ बैठकें आयोजित की गयी। अब तक कोलकाता स्थित निम्नलिखित संस्थाओं ने सम्मेलन की संस्थागत सम्बद्धता ली है।

- **सीकर नागरिक परिषद**
- **फतेहपुर शेखावाटी प्रगति संघ**
- **बिसाऊ नागरिक समिति**
- **लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद**
- **रामगढ़ नागरिक परिषद**
- **छापर नागरिक परिषद**
- **श्री मण्डावा पिंजरापोल ट्रस्ट**
- **नागौर नागरिक संघ**
- **श्री जसवन्तगढ़ नागरिक परिषद**
- **सुजानगढ़ नागरिक परिषद**
- **ईस्लामपुर माखर नागरिक परिषद**
- **सुल्ताना वेलफेयर सोसाइटी**
- **लोसल नागरिक परिषद**
- **झुंझुनूं प्रगति संघ**
- **श्री माधोपुर नागरिक परिषद सेवा ट्रस्ट**
- **नीमकाथाना अंचल नागरिक संघ**
- **चुरू नागरिक परिषद**
- **श्री सालासर भक्त मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट**
- **बीदासर नागरिक संघ**

सम्मेलन की सम्बद्ध संस्थाओं का संक्षिप्त परिचय/विवरण हम इस अंक से क्रमवार प्रकाशित कर रहे हैं (देखें पृष्ठ २४)।

अध्यक्षीय

सुरक्षा और शांति के लिए हर कदम जरूरी

– प्रह्लाद राय अगरवाला

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाईयों,

सर्वप्रथम आप सबको नवरात्रि एवं आगामी त्योहारों की हार्दिक बधाई! प्रथम पूज्य गणेश, माता लक्ष्मी एवं समस्त देवी-देवताओं की कृपा आप, आपके निकटस्थ, हमारे समाज एवं सम्पूर्ण राष्ट्र पर बनी रहे, यही प्रार्थना है।

जैसा आप जानते हैं, आज अपना देश, बल्कि पूरा विश्व ही, आतंकवाद के जहरीले, खूंखार दानव का सामना कर रहा है। भारत गत कई दशकों से आतंकवाद का शिकार रहा है और हजारों भारतीय निर्दोषों पर आतंकियों का कहर बरपा है। विडम्बना यह भी है कि हमारा पड़ोसी राष्ट्र पाकिस्तान आतंकवादियों को संरक्षण एवं सहयोग दे रहा है। **भारत ने इस विषय पर हमेशा धैर्य का दामन थामा।**

गत दिनों उड़ी स्थित सेना के कैम्प पर हुए आतंकी हमलों से १९ जवानों की शहादत ने पूरे राष्ट्र को आंदोलित कर दिया। पानी सर से गुजर चुका था। २८ सितम्बर २०१६ की रात भारतीय सेना की विशेष टुकड़ियों ने पाक अधिकृत कश्मीर में घुसकर चार घंटों में आठ आतंकवादी ठिकानों को नेस्तोनाबूद कर दिया। अनुमान है कि ४० से ज्यादा आतंकी एवं उनको प्रशिक्षण दे रहे कुछ पाकिस्तानी सेना के जवान भी मारे गये। सेना ने जिस रणनीतिक कौशल से इस 'स्ट्रेटेजिक स्ट्राइक' को बखूबी अंजाम दिया, वह काबिले-तारीफ था। भारतीय राजनेताओं द्वारा सामरिक विषयों पर निर्णय एवं उसके क्रियान्वयन के दृष्टिकोण से भी यह अत्यंत महत्वपूर्ण था। ज्ञातव्य है कि १९७१ के बाद भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा को पार नहीं किया था।

यह ध्यान देने की बात है कि आज पूरे विश्व समुदाय में कोई भी पाकिस्तान की बात को गंभीरता से लेने को तैयार नहीं। पाकिस्तान 'कश्मीर का राग' अलापे या 'विक्टिम कार्ड' खेले, विश्व जनमत भारत के साथ है।

एक सामाजिक राष्ट्रवादी संस्था के रूप में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन राजनैतिक सक्रियता एवं मतदान प्रक्रिया में सबकी भागीदारी का प्रबल समर्थक है, इसके लिये यथासंभव प्रयास करता है किन्तु किसी राजनैतिक दल विशेष का समर्थन नहीं करता। हमारा ध्येयवाक्य है, 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'। यह सर्वमान्य है कि शांति के बिना प्रगति संभव नहीं है और शांति के रास्ते का सबसे बड़ा रोड़ा आतंकवाद है, चाहे वह किसी भी रूप में हो। **राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति सुनिश्चित करने के हर संभव प्रयास करना सरकार का कर्त्तव्य है, चाहे इसके लिए कुछ कठोर कदम ही उठाने पड़ें।** खुशी की बात है कि सभी राजनैतिक दलों के नेताओं ने सरकार के इस कदम का समर्थन किया है।

जय समाज, जय राष्ट्र!

Wuth Best Compliments From :

BISHWANATH LOHIA
SEVA VIKAS TRUST

171/1, J N Mukherjee Road
Howrah - 711 106, W.B.
Phones : 2655 7964 / 5475
Fax : (91 33) 2655 1964

FLAT

17%

DISCOUNT ON ALL MEDICINES

DOWNLOAD

SastaSundar app

your healthbuddy

NOW AVAILABLE ON

FREE HOME DELIVERY*

*T&C Apply

SastaSundar.com | Call: 3080 3080

www.srei.com
Empowering Entrepreneurs to shape the future
Financing of equipment, new and old, across diverse sectcrs :
Infrastructure | Construction | Mining | Information Technology | Healthcare | Agriculture
SREI
BNP PARIBAS
SREI
Holistic Infrastructure Institution
Infrastructure Equipment Finance | Projec: Finance, Advisory and Development | Venture Capital |
Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO - Equipment Bank | Insurance Broking

सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक

कार्यक्रमों को गति देने, सदस्यता-विस्तार पर हो जोर : प्रह्लाद राय अगरवाला
सम्मेलन एवं युवा मंच से समाज को बड़ी अपेक्षाएँ : रवि अग्रवाल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक गत ०३ सितम्बर २०१६ को सम्मेलन कार्यालय सभागार (डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी), कोलकाता में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने की।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने सर्वप्रथम सभी उपस्थितों का स्वागत किया और उसके बाद वर्तमान सत्र की मुख्य गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन अनेक प्रकार के कार्यक्रमों पर कार्य कर रहा है किन्तु इनकी सफलता के लिए महिला, युवा सहित समाज के सभी वर्गों का साथ आना जरूरी है। संगठन विस्तार की गति बढ़ाने पर जोर देते हुए श्री अगरवाला ने प्रस्ताव रखा कि अगले दो महीनों में कार्यकारिणी समिति का प्रत्येक सदस्य कम से कम दस नये सदस्य बनाये। सभी उपस्थित सदस्यों ने सहमति जतायी।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष **श्री रवि कुमार अग्रवाल** ने अपने संबोधन में कहा कि सम्मेलन एवं मंच, इन दोनों संगठनों से समाज को बड़ी अपेक्षाएँ हैं। दोनों संस्थाएँ एक-दूसरे से समन्वय रख, मिलकर कार्य करेंगे तो अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। युवा मंच की गतिविधियों के विषय में बताते हुए उन्होंने राजस्थानी भाषा की मान्यता हेतु किए जा रहे प्रयासों, दिल्ली के समीप स्थापित किए जा रहे बहुसुविधायुक्त युवा भवन, संस्कृति-संरक्षण, कौशल विकास केन्द्र, कैन्सर जाँच केन्द्र, ब्लड-बैंक, कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण, आदि, प्रकल्पों का विवरण दिया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया ने कहा कि पूरे राष्ट्र में फैले मारवाड़ी समाज की जनसंख्या के अनुपात में सम्मेलन की सदस्यता बहुत कम है। उन्होंने कहा कि सदस्यता-विस्तार हेतु हरेक स्तर से प्रयास होना चाहिए। सम्मेलन की सदस्यता हजारों में नहीं, लाखों में होनी चाहिए।

बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (२१ मई २०१६; कोलकाता) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने पिछली बैठक के बाद से अब तक के सम्मेलन के क्रियाकलापों पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की।

कार्यसूची के अनुसार, लेखा परीक्षक द्वारा जाँचे गए वित्तीय वर्ष २०१५-१६ के आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र पर चर्चा हुई और तत्पश्चात् इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय कुमार हरलालका** ने अखिल भारतीय समिति के गठन की प्रगति के विषय में सदस्यों को सविवरण बताया। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि जिन प्रान्तों ने चुनावी प्रक्रिया सम्पन्न नहीं कराई या मनोनयन कर नाम नहीं भेजे तथा जो प्रान्त विघटित हैं या क्रियाशील नहीं है, वहाँ से चुने जाने वाले सदस्यों को चुनने का अधिकार, सम्मेलन की संविधान की धारा ९(५)(घ), ९(६)(क) एवं १०(२) के अन्तर्गत, राष्ट्रीय अध्यक्ष को दे

दिया जाये ताकि अखिल भारतीय समिति का पूर्णरूपेण गठन हो सके। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ।

श्री हरलालका ने महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश प्रांत के प्रादेशिक शाखाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि महाराष्ट्र में लम्बे समय से चुनाव नहीं हुआ है। वहाँ के महामंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। उत्तर प्रदेश में चुनाव सही प्रक्रिया के अन्तर्गत नहीं हुआ। केन्द्रीय सम्मेलन द्वारा भेजे गये पत्रों का भी कोई जवाब नहीं मिला। अतः संविधान की धारा ८(३) के तहत इन दोनों प्रान्तों के सम्बन्ध में निर्णय लेने का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया जाये, ताकि प्रान्तों का पुनर्गठन कर उन्हें सक्रिय किया जा सके। समिति ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को मंजूरी दी।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला** ने बिहार सम्मेलन के गतिविधियों, विशेषकर शाखाओं के दौरों, संगठन-विस्तार, शौचालय निर्माण, सामूहिक विवाह, सामाजिक सहायता कार्यक्रम, रोजगार प्रकोष्ठ, वैवाहिक परिचय प्रकोष्ठ, आदि, के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय समिति के गठन की वर्तमान प्रक्रिया अत्यंत जटिल है। इस पर विचार कर इसे सरल करने का आवश्यकता है। यह बताते हुए कि केन्द्रीय सम्मेलन द्वारा प्रेषित समाज विकास पत्रिका बिहार सम्मेलन के सभी सदस्यों को नहीं पहुँच रही है, उन्होंने इसके निराकरण का अनुरोध किया।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने सुझाव दिया कि केन्द्रीय कार्यालय से सभी सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र दिया जाय। उन्होंने समाज विकास पत्रिका झारखंड सम्मेलन के सभी सदस्यों तक न पहुँचने के विषय में भी बताया। झारखंड सम्मेलन के महामंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** ने झारखंड सम्मेलन की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया।

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने पूर्वोत्तर सम्मेलन की गतिविधियों, विशेषतः नयी शाखाओं के गठन, दौरों, सदस्यता-विस्तार, वैवाहिक डाटा बैंक, राष्ट्रीय नागरिक पंजी, समाज के विजयी प्रत्याशियों का सम्मान, आदि, के विषय में विस्तार से बताया।

श्री गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि केन्द्रीय सम्मेलन की डायरेक्ट्री पूरे राष्ट्र के हर शाखा को उपलब्ध करायी जानी चाहिए।

बैठक के अंत में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया और सभा संपन्न हुई। ★★★

समाचार सार

संस्कार संस्कृति चेतना उपसमिति की बैठक

गत ५ अगस्त २०१६ को सम्मेलन की संस्कार संस्कृति चेतना उपसमिति की बैठक सम्मेलन कार्यालय सभागार में उपसमिति के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया** की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सम्मेलन द्वारा संचालित संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम की समीक्षा की गयी। यह तय किया गया कि समाज के विभिन्न विद्यालयों में इस कार्यक्रम को आयोजित किया जाय। इस विषय में **श्री नन्दकिशोर अग्रवाल** एवं **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** ने काकुड़गाछी एवं साल्टलेक के तीन विद्यालयों में सितम्बर महीने में तारीख तय करने की बात की। श्री सिंघानिया को इस विषय में आगे कार्यवाही का भार दिया गया। **श्री संतोष रूँगटा** ने सुझाव दिया कि इस कार्यक्रम को व्यापक रूप देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को हमारी संस्कार एवं संस्कृति से परिचित करवाने के लिये विद्वानों के सहयोग से पाठ्यपुस्तक प्रकाशित करने की योजना बनानी चाहिये। पाठ्यपुस्तकों को विद्यालयों में अखिल भारतीय स्तर पर सप्ताह में एक कक्षा की व्यवस्था कर लागू करने की आवश्यकता है। विचार-विमर्श के बाद श्री नंदलाल सिंघानिया को इस संबंध में आगे की कार्यवाही करने का भार दिया गया। बैठक में **श्री सीताराम शर्मा, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री ऋषि बागड़ी, श्री संदीप सेकसरिया** आदि उपस्थित थे।

Colourful, sturdy whiter cups and saucers. Something beautiful that brings out the best in your everyday.

Diva®

from LA OPALA®

Scratch Resistance | Microwave Safe | Break Resistant | Toughened Extra Strong | Super White | Super Light | Bone Ash Free 100% Vegetarian

La Opala RG Limited (Corporate Office)

Chitrakoot 10th Floor 230A AJC Bose Road Kolkata 700020

P 033 6503 6656/7/8/9

Corporate Enquiries 090510 51011 | **E** info@laopala.in | www.laopala.in

CENTURYPLY®

CENTURYPLY® CENTURYLAMINATES® CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM® CENTURYMDF® CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति का गठन

सम्मेलन के प्रत्येक नये सत्र के शुरू होते ही नियत समय पर सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति का चुनाव कराना जरूरी होता है। सम्मेलन के संविधान की धारा ९ के प्रावधानों के अनुसार अखिल भारतीय समिति की गठन की प्रक्रिया १ जून २०१६ एवं ३१ अगस्त २०१६ के बीच सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** की देख-रेख में की गयी। नवगठित अखिल भारतीय समिति निम्नवत है।

पदेन सदस्य : सम्मेलन के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री, प्रादेशिक शाखाओं के वर्तमान अध्यक्ष तथा महामंत्री और सभी विशिष्ट संरक्षक सदस्य अखिल भारतीय समिति के पदेन सदस्य हैं।

संविधान की धारा ९(५) (क) के अन्तर्गत

प्रादेशिक शाखाओं द्वारा निर्वाचित सदस्य

उत्कल : श्री जगदीश प्रसाद किल्ला, राउरकेला; श्री किशनलाल भरतिया, नया बाजार; श्री मंगतूराम अग्रवाल, खेतराजपुर; श्री लक्ष्मण लाल महिपाल, भुवनेश्वर; श्री अशोक कुमार जालान, सम्बलपुर; श्री बिजय कुमार केडिया, खेतराजपुर; श्री श्याम सुंदर पोद्दार, कटक; श्री चमरू लाल अग्रवाल, सोनपुर; श्री ज्ञान प्रकाश अग्रवाल, बैरापाली; श्री भानुप्रकाश अग्रवाल, खेतराजपुर; श्री धनराज अग्रवाल, बैरापाली, श्री हजारीमल ओझा, खेतराजपुर; श्री विष्णु दयाल अग्रवाल, राउरकेला; श्री राज कुमार शांडिल्य, सम्बलपुर; श्री सूर्यकान्त सांगानेरिया, कटक; श्री सुशील कुमार अग्रवाल, अंगुल; श्री सुभाष चन्द्र अग्रवाल, रूपरा रोड; श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, नुवापाड़ा; श्री मनोज जैन, बलांगीर; श्री सुरेश कुमार कमानी, कटक; श्री बिश्वनाथ मारोठिया, राउरकेला; श्री गोपाल कृष्ण झाकोदिया, राउरकेला; श्री अर्जुन प्रसाद अग्रवाल, पटनागढ़ एवं श्री नरेन्द्र कुमार जैन, खादलपाड़ा।

बिहार : श्री विनोद तोदी, पटना; श्री गणेश कुमार खेमका, पटना; श्री नवीन कुमार टिबड़ेवाल, पटना; श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल; श्री श्याम सुंदर हिसारिया, पटना; श्री गिरधारी लाल सराफ, पटना; श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, पटना; डॉ. रमेश कुमार केजरीवाल, मुजफ्फपुर; श्री मातादीन अग्रवाल, आरा; श्री लक्ष्मी नारायण डोकानिया, भागलपुर, श्री पवन कुमार सुरेका, दरभंगा; श्री अशोक कुमार तुलस्यान, मुंगेर; श्री राकेश बंसल, पटना; श्री बिजय कुमार किशोरपुरिया, पटना; श्री रामपाल अग्रवाल नूतन, पटना; श्री ईश्वर प्रसाद गोयनका, पटना; श्री शिव कैलाश डालमिया, गया; श्री राजेश बजाज, पटना; श्री महेश जालान, पटना; श्री योगेश तुलस्यान, पटना; श्री अशोक भिवानीवाला, भागलपुर, श्री जौनी सोन्थलिया, भागलपुर; श्री अशोक कुमार बंसल, भागलपुर; श्री पवन कुमार पोद्दार, भागलपुर; श्री किशोर झुनझुनवाला, भागलपुर; श्री राजीव कुमार केजरीवाल, मुजफ्फरपुर; श्री पवन कुमार बंका, मुजफ्फरपुर; श्री सज्जन कुमार गिन्दौरिया, मुजफ्फरपुर; श्री कृष्ण मुरारी टिबड़ेवाल, बेगूसराय; श्री अरूण कुमार अग्रवाल, सहरसा; श्री जुगल किशोर अग्रवाल, सुपौल; श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला, पटना; श्री मनोज झुनझुनवाला, पटना सिटी; श्री रतन नारनोलिया, खगड़िया; श्री अमर कुमार दहलान, सहरसा; श्री विश्वनाथ केडिया, सहरसा; श्री नीलम कुमार अग्रवाल, पूर्णिया; श्री अंजनी सुरेका, पटना; श्री सदानंद अग्रवाल, पटना; श्री नंद किशोर टेनवाल, पटना; श्री नीरज मस्करा, बेगूसराय; श्रीमती सुषमा अग्रवाल, पटना एवं श्री हरिप्रसाद केजरीवाल, गया।

झारखंड : श्री भागचंद पोद्दार, राँची; श्री विनय सरावगी, राँची; श्री राजकुमार केडिया, राँची; डॉ. (प्रो.) ओमप्रकाश प्रणव, राँची, श्री किशोर मंत्री, राँची; श्री धर्मचन्द बजाज, राँची; श्री जुगल किशोर मारू, राँची; श्री चण्डी प्रसाद डालमिया, राँची; श्री पूरणमल जैन, राँची; श्री वेदप्रकाश अग्रवाल, राँची; श्री रवि कुमार शर्मा, राँची, श्री प्रकाश बजाज, राँची; श्री भंवरमल खण्डेलवाल, जमशेदपुर; श्री चंदूलाल भालोटिया, जमशेदपुर; श्री उमेश शाह, जमशेदपुर; श्री केदारनाथ मित्तल, धनबाद; श्री महेन्द्र भगानिया, धनबाद; श्री प्रमोद कुमार तुलस्यान 'नवल', पलामू; श्री बसंत हेतमसरिया, रामगढ़; श्री बजरंग लाल अग्रवाल, रामगढ़; श्री अभय कुमार सराफ, देवघर; श्री जगदीश डोकानिया, पाकुड़; श्री शिवहरि बंका, चास; श्री अशोक जैन, गिरीडीह; श्री पुरूषोत्तम शर्मा, चाईबासा एवं श्री धीरज जैन, हजारीबाग।

पूर्वोत्तर : श्री पवन कुमार सीकरिया, गौहाटी; श्री राजकुमार तिवारी, गौहाटी; श्री शिव भगवान शर्मा, गौहाटी; श्री विजय सिंह डागा, गौहाटी; श्री कैलाश काबरा, गौहाटी; श्री अशोक कुमार अग्रवाल, गौहाटी; श्री प्रभु दयाल देवड़ा, गौहाटी; श्री बाबूलाल गगड़, जोरहाट; श्री मुरलीधर खेतान, जोरहाट; श्री जुगल किशोर अगरवाला, जोरहाट; श्री भजनलाल जितानी, गोलाघाट; श्री मोतीलाल अग्रवाल, गोलाघाट; श्री रतन कुमार चांडक, गोलाघाट, श्री दीपक कुमार चोखानी, शिलांग; श्री महाबीर प्रसाद सिंघानिया, शिलांग; श्री पुरूषोत्तम दास चोखानी, शिलांग; श्री हीरालाल जैन मालू, लखीमपुर; श्री जुगल किशोर जाजोदिया, नगांव; श्री ललिता कुमार कोठारी, नगांव; श्री मानिकचंद नाहटा, इटाचाली; श्री रघुवीर प्रसाद आलमपुरिया, हैबरगांव; श्री ओमप्रकाश बंसल, तिनसुकिया; श्री रामजीवन सुरेका, तिनसुकिया एवं श्री प्रदीप कुमार सुरेका, होजाइ।

संविधान की धारा ९(५)(क) के अन्तर्गत प्रादेशिक शाखाओं द्वारा मनोनीत सदस्य

उत्तराखंड : श्री विजय गोयल, हरिद्वार; श्री दीपक अग्रवाल, हरिद्वार; श्री संतोष खेतान, हरिद्वार एवं श्री राकेश कुमार चोखानी, हरिद्वार।

संविधान की धारा ९(५)(घ) एवं १०(२) के अन्तर्गत मनोनीत सदस्य

आन्ध्र प्रदेश : श्री मनोज कुमार मखरिया, आदिलाबाद; श्री राम निवास शर्मा, सिकन्दराबाद; श्री राम कुमार गोयल, सिकन्दराबाद; श्री रमेश कुमार बंग, हैदराबाद एवं श्री राम विलास साबू, हैदराबाद।

महाराष्ट्र : श्री रमेशचन्द्र गोपीकिशन बंग, नागपुर; श्री महेश पुरोहित, नागपुर; श्री दिलीप कुमार मनसुखलाल गांधी, अहमदनगर; श्री विष्णुकुमार श्रीकिशन चेचानी, जालना; एवं श्री सुखलाल जैन, जालना।

मध्य प्रदेश : श्री मुकुन्द दास माहेश्वरी, जबलपुर, श्री रमेश गुप्ता, भोपाल; श्री दिनेश चन्द्र अग्रवाल, भोपाल; श्री गणेश नारायण पुरोहित, जबलपुर एवं श्री रूपकिशोर माहेश्वरी, जबलपुर।

दिल्ली : श्री राजकुमार अग्रवाल, पूर्व दिल्ली; श्री प्रताप अग्रवाल, पूर्व दिल्ली; श्री शान्ति कुमार रामसीसरिया, उत्तर दिल्ली, श्री विनोद जाजोदिया, उत्तर दिल्ली; श्री नवरतनमल अग्रवाल, पश्चिम दिल्ली; श्री एस.पी. लाहोटी, पश्चिम दिल्ली; श्री विनोद किला, दक्षिण दिल्ली; श्री बिरेन्द्र बाजोरिया, दक्षिण दिल्ली; श्री राजेश जालान, गाजियाबाद; श्री शशि खेमका, गाजियाबाद एवं श्री अरुण कुमार सराफ, फरीदाबाद।

पश्चिम बंग : श्री नरेन्द्र तुलस्यान, कोलकाता; श्री जयगोविन्द इन्दौरिया, कोलकाता, श्री जगदीश प्रसाद पाटोदिया, हवड़ा; श्री कृष्ण कुमार डोकानिया, कोलकाता; श्री श्याम सुंदर हरलालका, कोलकाता; श्री अजीत साहेवाल, कोलकाता; श्री रामकैलाश गोयनका, कोलकाता; श्री विश्वनाथ भुवालका, कोलकाता; श्री संदीप सेक्सरिया, कोलकाता; श्री संजय भरतिया, हवड़ा; श्री चंद्रकांत सराफ, कोलकाता; श्री संजय अग्रवाल, कोलकाता; श्री राजेश कुमार पोद्दार, कोलकाता; श्री राजेन्द्र राजा, कोलकाता; श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, कोलकाता; श्री गोपीराम धुवालिया, कोलकाता; श्री मनोज कुमार अग्रवाल, कोलकाता; श्री गोविन्द अग्रवाल, नैहटी; श्री सुरेश अग्रवाल, हवड़ा; श्री मनोज चाँदगोठिया, कोलकाता; श्री महाबीर प्रसाद जाजू, कोलकाता; श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल, कोलकाता; श्री संतोष मोहता, कोलकाता; श्री संजय शर्मा, कोलकाता; श्री राजेश अग्रवाल, कोलकाता; श्री रामनिवास शर्मा 'चोटिया', कोलकाता; श्री सुदेश अग्रवाल, कोलकाता; श्री भंवरलाल जैसनसरिया, कोलकाता एवं श्री द्वारका प्रसाद गनेरीवाल, कोलकाता।

संविधान की धारा ९(६)(क) के अन्तर्गत मनोनीत सदस्य

छत्तीसगढ़ : श्री संतोष अग्रवाल, रायपुर; श्री घनश्याम पोद्दार, रायपुर; श्रीमती ममता अग्रवाल, रायपुर; श्री राशि पोद्दार, रायपुर एवं श्री राजकुमार सुल्तानिया, बिलासपुर।

तमिल नाडु : श्री विजय कुमार गोयल, चेन्नै; श्री विजय कुमार लोहिया, चेन्नै; श्रीमती मनीषा लोहिया, चेन्नै; श्री कैलाशमल दुग्गड़, चेन्नै एवं श्री गुलाबचंद काटोदिया, चेन्नै।

कर्नाटक : श्री मातादीन डोकानिया, बेंगलुरू; श्रीमती उषा बजाज, बेंगलुरू; श्री नारायण प्रसाद अग्रवाल, बेंगलुरू; श्री घनश्याम दास जोधानी, बेंगलुरू एवं श्री निर्मल कुमार अग्रवाल।

उत्तर प्रदेश : श्री आनंद कुमार लड़िया, वाराणसी; श्री सोम प्रकाश गोयनका, कानपुर, श्री मनमोहन लोहिया, वाराणसी; श्री सुदीप गोयनका, कानपुर एवं श्री निखिल गोयल, कानपुर।

संविधान की धारा ९(५)(ग) के अन्तर्गत मनोनीत सदस्य

श्री बिजय डोकानियाँ, कोलकाता; श्री पवन कुमार जालान, कोलकाता; श्री रमेश बुबना, कोलकाता; श्री शिव कुमार बागला, कोलकाता; श्री संजय गोयनका, कोलकाता; श्री शरद केडिया, कोलकाता; श्री विष्णु पोद्दार, कोलकाता; श्री प्रदीप केडिया, कोलकाता; श्री सजन बेरीवाल, कोलकाता; श्री दिलीप गोयनका, कोलकाता; श्री धरमचंद जैन रारा, झारखंड; श्री कमल कुमार केडिया, झारखंड; श्री नकुल अग्रवाल, उत्कल; श्री सुंदरलाल जैन, उत्कल; श्री आत्माराम सोन्थलिया, कोलकाता; श्री नंदलाल सिंघानिया, कोलकाता; श्री प्रेमचंद सुरेलिया, कोलकाता; श्री बालकृष्ण माहेश्वरी, कोलकाता; श्री शान्तिलाल जैन, कोलकाता; श्री जुगलकिशोर जाजोदिया, कोलकाता; श्री राधाकृष्ण सफ्फड़, कोलकाता; श्री कान्ति चंद्र गोयनका, कोलकाता; श्री गिरधारी लाल खेमानी, कोलकाता; श्री गौरीशंकर अग्रवाल, उत्कल; श्री नंदकिशोर पाटोदिया, झारखंड; श्री प्रमोद टिबड़ेवाल, फरीदाबाद; श्री पन्नालाल बैद, दिल्ली; श्री प्रदीप जीवराजका, प. बंग; श्री सतीश कुमार अग्रवाल, कोलकाता; श्री प्रमोद कुमार जैन, कोलकाता एवं श्री रमेश कुमार शर्मा, कोलकाता।

समाचार प्रादेशिक सम्मेलनों से : दिल्ली

दक्षिण दिल्ली शाखा द्वारा निःशुल्क दन्त-चिकित्सा परामर्श एवं रक्त परीक्षण शिविर

गत १८ सितम्बर २०१६ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की दक्षिण दिल्ली शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच, दक्षिण दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक निःशुल्क दन्त-चिकित्सा परामर्श एवं रक्तपरीक्षण शिविर का आयोजन गौतम नगर, नई दिल्ली स्थित फादर ऐग्नेल स्कूल के निकट किया गया।

शिविर में छः चिकित्सकों की टीम ने दाँतों की सेन्टिविटी, कैविटी, मसूढ़ों की देखभाल आदि पर परामर्श दिया। साथ ही साथ कम्पलीट डेन्टल चेक, रक्तचाप, रक्त (ब्लड शुगर, कॉलेस्टरॉल, क्रिएटिन) आदि के परीक्षण भी किए गए।

दक्षिण दिल्ली शाखा द्वारा भजन संध्या का आयोजन

गत ०६ अगस्त २०१६ को सम्मेलन की दक्षिण दिल्ली शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच की दक्षिण दिल्ली शाखा के संयुक्त तत्वाधान में गौतम नगर, नई दिल्ली स्थित गुज्जर डेयरी कम्युनिटी सेंटर में, मारवाड़ी युवा मंच हॉस्टल के स्थापना दिवस के अवसर पर, बाबा खाटू श्याम जी भजन संध्या का आयोजन किया गया।

समारोह में करीब ४०० भक्तों ने बाबा खाटू श्याम के भजनों का आनंद लिया एवं प्रसाद-स्वरूप भोजन ग्रहण किया। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री**

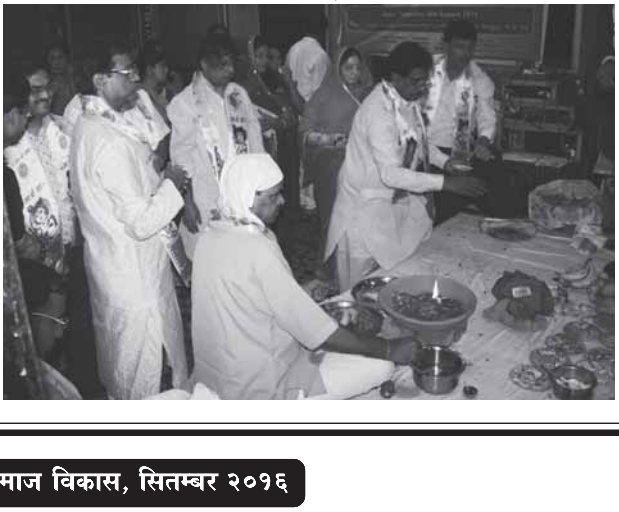

पवन कुमार गोयनका एवं प्रादेशिक महामंत्री **श्री राजकुमार मिश्रा** भी उपस्थित थे। शाखाध्यक्ष **श्री विनोद किला** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

शाखा के सहसचिव **श्री सुंदरलाल शर्मा** ने सूचना दी है कि शाखा द्वारा स्थायी तौर पर **"गौ सेवा मातृ सेवा"** का कार्यक्रम भी चलाया जाता है जिसके अन्तर्गत गौशालाओं को आर्थिक सहायता दी जाती है।

समाचार प्रादेशिक सम्मेलनों से : बिहार

सम्मेलन की पटना शाखा का भंडारा

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की पटना नगर शाखा द्वारा गत ०४ सितंबर २०१६ को प्रातः १० बजे से दिन में २ बजे तक एक्जीबिशन रोड चौराहा पर अन्नसेवा कार्यक्रम के अंतर्गत भंडारा का आयोजन किया गया। जनसेवा के इस कार्यक्रम में लगभग १५०० लोगों को शुद्ध और गर्म भोजन करवाया गया एवम शीतल जल की व्यवस्था की गई। अन्नसेवा का यह कार्यक्रम हर महीने में समाजबन्धुओं के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। शाखा का चौथा अन्नसेवा कार्यक्रम प्रसिद्ध समाजबंधु **श्री गोपाल टिबड़ेवाल** एवं **श्री नवीन टिबड़ेवाल** के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के आयोजन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी**, प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री निर्मल झुनझुनवाला**, शाखाध्यक्ष **श्री अंजनी सुरेका**, निवर्तमान शाखाध्यक्ष **श्री राकेश बंसल**, शाखा मंत्री **श्री रंदीप झुनझुनवाला**, कोषाध्यक्ष **श्री दिलीप मित्तल**, शाखा सदस्य **सर्वश्री अभिषेक अग्रवाल, विकास बैरोलिया, कैलाश झुनझुनवाला, नवीन टिबड़ेवाल, रमेश कुमार सुरेका, मधुसुदन टिबड़ेवाल, रूपेश अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, महेश जालान, प्रवीण बंसल, अमन टिबड़ेवाल, शशि गोयल, सुशील सुन्दरका, कमलेश गुप्ता, राजेश अग्रवाल**, आदि, अनेक महानुभावों ने उपस्थित होकर जनसेवा के इस पुनीत कार्य में सहयोग दिया।

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

समाचार प्रादेशिक सम्मेलनों से : पूर्वोत्तर

राज्यपाल से मिला मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल

एनआरसी व सुरक्षा के मुद्दों पर हुई चर्चा

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के एक प्रतिनिधिमंडल ने गत ११ सितम्बर २०१६ को राजभवन में असम के महामहिम राज्यपाल **श्री बनवारीलाल पुरोहित** से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **मधुसूदन सीकरिया**, प्रांतीय महामंत्री **प्रमोद तिवाड़ी**, संगठन मंत्री **अशोक अग्रवाल**, राजनीतिक चेतना समिति के संयोजक **गौरव सोमानी** व साहित्यकार **सांवरमल सांगानेरिया** शामिल थे। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा। पूर्वोत्तर सम्मेलन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) अद्यतन मुद्दे पर राज्यपाल के साथ विस्तार से चर्चा की। एनआरसी अद्यतन की प्रक्रिया में भारतीय नागरिकों के बीच ओआई और एनओआई यानी मूल-अमूल के भेद पर अपनी चिंता जताते हुए प्रतिनिधिमंडल ने भारतीयों के बीच इस असांवैधानिक विभाजन को रोकने की राज्यपाल से अपील की। इसके अलावा ऊपरी असम सहित राज्य के कुछ अन्य हिस्सों में अचानक फिरौती वसूली और अपहरण की घटनाओं में हुई वृद्धि के बारे में राज्यपाल को अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मारवाड़ी समाज के लोगों को उचित सुरक्षा मुहैया कराने की अपील की। राज्यपाल महोदय ने सभी की बातें ध्यान से सुनीं और अपनी ओर से दोनों विषयों पर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके पहले प्रतिनिधिमंडल ने श्री पुरोहित को असम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। पूर्वोत्तर सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष ने परंपरागत राजस्थानी साफा पहनाकर उनका अभिनंदन किया, वहीं प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों ने उनका परंपरागत असमिया फुलाम गमोछा से स्वागत किया। जाने-माने साहित्यकार सांवरमल सांगानेरिया ने राज्यपाल को अपनी लिखी किताबें भेंट की।

एनआरसी कोर्डिनेटर से भी मिले सम्मेलन के पदाधिकारी

राष्ट्रीय नागरिक पंजी में मूल एवं अमूल श्रेणियों में लोगों को बाँटे जाने की आशंका के मद्देनजर पूर्वोत्तर सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** एवं उपाध्यक्ष **श्री राजकुमार तिवाड़ी** ने गत १४ सितम्बर २०१६ को एनआरसी कोर्डिनेटर **श्री प्रतीक हाजेला** से भांगागढ़ स्थित एनआरसी कार्यालय में मुलाकात की।

स्थिति स्पष्ट करते हुए श्री हाजेला ने कहा कि एनआरसी को लेकर किसी भी नागरिक को डरने व चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। एनआरसी में किसी भारतीय का नाम न छूटे तथा किसी भी विदेशी का नाम समाहित न हो, इस बात का पूर्ण ख्याल रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि एनआरसी प्रक्रिया में कहीं भी मूल व अमूल का प्रयोग नहीं किया गया है और न ही लोगों को इस श्रेणी में विभक्त किया गया है। इस सूची में जो भी नागरिक शामिल किए जायेंगे वे सभी एक ही श्रेणी में रखे जायेंगे। मीडिया में उड़ रहे अमूल शब्द को उन्होंने काल्पनिक व सत्य से परे बताया।

एनआरसी प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि किसी भी भारतीय नागरिक को इस बात की चिंता नहीं करनी चाहिए कि उनका नाम इस सूची में समाहित होने से छूट जाएगा। फिर भी यदि किसी प्रकार की असुविधा हो रही हो तो पुनः उनसे संपर्क किया जा सकता है। सम्मेलन के पदाधिकारियों ने उनकी बातें ध्यानपूर्वक सुनने के पश्चात् जारी प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया है।

गुवाहाटी की मारवाड़ी महिला समिति को सम्मेलन की पूर्ण शाखा का दर्जा

गत ०९ सितम्बर २०१६ को गुवाहाटी में आयोजित सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा की साधारण सभा में पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने गुवाहाटी शाखा की महिला समिति को एक पूर्ण शाखा के रूप में मान्यता दिए जाने की घोषणा की। श्री सीकरिया ने कहा कि महिला समिति की सक्रियता एवं संगठन-विस्तार में उनके उल्लेखनीय योगदान के संज्ञान में यह कदम उठाया गया है। ज्ञातव्य है कि समाज की महिलाओं के लिए गुवाहाटी शाखा के अंतर्गत एक महिला समिति का गठन किया गया था। कालांतर में समिति के नेतृत्व एवं सदस्याओं के लगन-समर्पण से सैकड़ों महिलाएँ समिति के साथ जुड़ीं।

साधारण सभा को संबोधित करते हुए प्रांतीय महामंत्री **श्री प्रमोद तिवाड़ी** ने बताया कि पिछले सत्र में महिला समिति द्वारा संपादित प्रकल्पों को देखकर यह कहा जा सकता है कि गुवाहाटी की महिला समिति देश भर में सबसे अधिक सक्रिय है।

गुवाहाटी शाखा के साथ महिला समिति की कार्यकारिणी समिति के चुनाव भी निर्विरोध संपन्न हुए। जब जल्द ही महिला शाखा कार्यकारिणी समिति की संयुक्त बैठक बुलाएगी, जिसमें नई शाखा की पहली अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। नई शाखा के गठन पर खुशी जाहिर करते हुए महिला शाखा समन्वय समिति की संयोजिका **श्रीमती कंचन केजरीवाल** ने पूर्वोत्तर की सभी शाखाओं से आह्वान किया कि वे अपनी शाखाओं के साथ एक महिला शाखा खोलने का प्रयास करें।

सम्मेलन एवं युवा मंच समन्वय समिति की बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की शीर्ष समन्वय समिति की प्रथम बैठक गत २ सितम्बर २०१६ को कोलकाता में सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई। इस बैठक में दोनों संगठनों के मिलकर आगे बढ़ने व संयुक्त रूप से विभिन्न गतिविधियों के संचालन पर विस्तार से चर्चा हुई।

समिति के संयोजक **श्री अनिल के. जाजोदिया** ने बैठक प्रारंभ करते हुए इस विषय पर जोर दिया कि दोनों संगठनों के मिलकर कार्य करने से देश व समाज को अत्यंत लाभ होगा। अपने उद्‌बोधन में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लादराय अगरवाला** ने कहा कि सम्मेलन के अनुभव व युवा मंच की ऊर्जा से सामाजिक जरूरतों को पूरा करने का एक बड़ा लक्ष्य पूरा किया जा सकता है। युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रवि अग्रवाल** ने भी इस बात को आगे बढ़ाते हुए आज के दौर की बड़ी सामाजिक आवश्यकताओं की ओर सबका ध्यान आकृष्ट किया।

इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने अब तक की प्रगति पर विचार-विमर्श किया और आगे के संभावित कार्यक्रमों की चर्चा की। यह निर्धारित किया गया कि –

१. दोनों सगठन मिलकर युवाओ मे उद्यमशीलता विकास हेतु संयुक्त कार्यक्रम की योजना बनायेंगे और उसे क्रियान्वित करने का प्रयास करेंगे। विचार-विमर्श के दौरान यह सुझाव आया कि इस पूरी प्रक्रिया को उद्देश्यपूर्ण बनाया जाए और सुनिश्चित किया जाए कि अपने दम पर उद्यमी बनने को तैयार युवाओं को संगठन व समाज से मार्गदर्शन व सहयोग कैसे प्राप्त हो। श्री कैलाशपति तोदी ने देशभर में योजनाबद्ध तरीके से २०-२५ उद्यमशीलता सेमिनार आयोजित करने पर बल दिया यह भी तय किया गया कि सफल एवं जानकर व्यक्तियों की वार्ताएँ युवाओं के लिए विशेष रूप से आयोजित की जाएँ साथ ही उद्यमशीलता से जुड़े समाचार, लेख एवं सफलता की कहानियों को समाज विकास मंच संदेश व अन्य प्रकाशनों में प्रकाशित किया जाए।

२. मारवाड़ी सम्मेलन के मद्यपान हतोत्साहन कार्यक्रम हेतु व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाय। विशेषकर सामाजिक, धार्मिक एवं पारिवारिक उत्सवों में मद्यपान पर स्वनियंत्रित पाबंदी लगे, ऐसा माहौल तैयार किया जाय। विचार-विमर्श के पश्चात् दोनों संगठनों के प्रकाशनों में मद्यपान हतोत्साहन से संबंधित समाचार व अपील प्रकाशित करने और दोनों संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों द्वारा अपने दौरों व बैठकों में इस बात पर जोर देकर अपील करने की राय बनी।

श्री प्रमोद शाह ने यह सुझाव दिया कि १०-१२ सफल मारवाड़ी व्यक्तित्वों की, इस संदर्भ में, अपील लेकर उसे भी प्रचारित व प्रसारित करना चाहिए। यह भी निर्धारित किया गया कि इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु एक उपसमिति का गठन किया जाए।

३. मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा विभिन्न स्थानों पर युवा मंच के वरिष्ठ सदस्यों (४५ वर्ष से उपर) को सम्मेलन की सदस्यता से जोड़ने का एक व्यापक अभियान चलाया जाय और युवा मंच के पदाधिकारी इसमें सक्रिय सहयोग करें ताकि इन योग्य प्रतिभाओं का, युवा मंच की सदस्यता उम्र सीमा पार करने के बाद भी, बेहतर सामाजिक योगदान सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक के अंत में धन्यवाद ज्ञापन सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने किया। इस अवसर पर युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रमोद शाह व श्री बलराम सुलतानिया, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर सोनी, सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, श्री गोपाल अग्रवाल, श्री प्रदीप जीवराजका, श्री मुकेश खेतान, श्री मनोज गोयल, श्री संदीप अग्रवाल, आदि, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। ★★★

समाचार सार

पंचायत उपसमिति की बैठक

गत १६ अगस्त २०१६ को सम्मेलन की पंचायत उपसमिति के बैठक सम्मेलन कार्यालय सभागार में उपसमिति के चेयरमैन **श्री रामअवतार पोद्दार** की अध्यक्षता में आयोजित हुई। उपसमिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा**, राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** उपस्थित थे। सर्वसम्मति से **श्री नंदलाल सिंहानिया** को उपसमिति का संयोजक निर्वाचित किया गया। बैठक में **श्री सीताराम शर्मा** के दाम्पत्य संबंध विच्छेद विषयक एक घटना पर हस्तक्षेप के अनुरोध पर विचार विमर्श किया गया। कन्यापक्ष के प्रतिनिधियों से विस्तार से चर्चा की गई। यह तय किया गया कि सभी पक्षों से सम्पर्क कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

केसरी कांत शर्मा 'केसरी' सरस्वती सेवा सम्मान से सम्मानित

फतेहपुर शेखावाटी की संस्थाओं साहित्य-संसद, सरस्वती पुस्तकालय एवं धानुका सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में फतेहपुर (राजस्थान) में गत ३ सितम्बर २०१६ को आयोजित एक समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार **श्री केसरीकांत शर्मा 'केसरी'** को उनकी साहित्य-सेवाओं के लिए सरस्वती सेवा सम्मान हेतु पुरस्कार स्वरूप इक्कीस हजार रुपयों की राशि के चेक, प्रशस्ति-पत्र, शॉल, साफा, स्मृति-चिन्ह, सरस्वती प्रतिमा, रजत मुद्रा एवं मुक्ता माला भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चुरु के वरिष्ठ साहित्यकार **श्री भंवर सिंह सामौर** ने की और विशिष्ट अतिथि राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के पूर्व अध्यक्ष **श्री श्याम महर्षि** तथा **श्री पुष्कर राज शर्मा,** उप खण्ड अधिकारी, फतेहपुर थे। वक्ताओं ने केसरी की साहित्य सेवा पर प्रकाश डाला और हिंदी व विशेषतः राजस्थानी में रचित उनकी कृतियों और राजस्थानी भाषा की अभिवृद्धि के क्षेत्र में उनके योगदान के महत्व को रेखांकित किया, विशेषकर हाइकु छंद रचना में उनकी अग्रणी भूमिका का स्मरण किया।

श्री केसरी के साथ-साथ चुरु के वयोवृद्ध साहित्यकार **श्री शंकर झकनाड़िया** को भी उनकी साहित्य साधना के लिए मानुष तनु पुरस्कार स्वरूप ग्यारह हजार रुपयों की राशि के चेक, प्रशस्ति पत्र, शॉल, साफा, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

शाबास निकिता

छात्रा ने लिया बदमाशों से लोहा

गत १० सितम्बर २०१६ को सूर्या नगर (साहिबाबाद, दिल्ली) से कड़कड़डूमा मेट्रो स्टेशन की ओर स्कूटी से जाती हुई छात्रा निकिता खेमका का बैग दो बदमाशों ने झपट लिया।

निकिता बदमाशों से लोहा लेती हुईं घायल भी हो गई

निकिता स्कूटी से गिर पड़ी, पर हताश नहीं हुई, डरी नहीं। घायल होने के बावजूद उसने उठकर बदमाशों का पीछा किया और एक किलोमीटर दूर जाकर उन्हें पकड़ लिया। पुलिस भी मौके पर पहुँच गयी और दोनों गिरफ्तार हुए, निकिता का बैग भी बरामद हो गया।

सी. ब्लॉक, सूर्या नगर की निवासी निकिता हौजखास स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ होम साइंस एण्ड इकनॉमिक्स में बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा हैं और **अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की गाजियाबाद शाखा के सचिव, श्री कृष्ण मोहन (शशिजी) खेमका की सुपुत्री हैं।**

निकिता की प्रेरणादायी बहादुरी पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। सम्मेलन परिवार निकिता के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना करता है!

रामनिवास लाखोटिया को पुत्रशोक

वरिष्ठ समाजसेवी एवं श्री रामनिवास लाखोटिया के सुपुत्र, बहुमुखी प्रतिभा के धनी, आयकर विशेषज्ञ श्री सुभाष चन्द्र लाखोटिया (दिल्ली) का निधन गत ११ सितम्बर २०१६ को हो गया।

सुभाष लाखोटिया

सम्मेलन परिवार की हार्दिक श्रद्धांजलि!

कविता

थे घास नांखणीं बंद करो

थे रिश्वत देणीं बंद करो,
लेवणियां भूखां मर ज्यासी।
थे घास नांखणीं बंद करो,
सरकारी लोग सुधर ज्यासी।

खुद रा घर को करो सुधारो,
आखो गांव सूधर ज्यासी।
थे भाव देवणां बंद करो,
केयां रा भाव उतर ज्यासी।

दूजां में गलत्यां मत देखो,
गलत्यां खुद में ही मिल ज्यासी।
जे खुद चोखा बण रेवोला,
पाडोसी चोखा मिल ज्यासी।

बेटी री कदर करोला तो,
झांसी की राण्यां आ जासी।
पन्ना मीरां अर पदमणियां,
सीतां सावित्र्यां आ ज्यासी।

आजादी रो मतलब समझ्यां,
भारत रो रूप संवर ज्यासी।
सूनोडा सेर जाग ज्यासी,
साल्यां में भगदड मच ज्यासी।

भिड ज्यावो आतंकवादयां सूं,
आतंकवादी खुद डर ज्यासी।
सीमाडे सूता मत रेवो,
दुशमणं री छाती फट ज्यासी।

जे एक होयकर रेवोला,
तो झोड झमेला मिट ज्यासी।
मेहनत की रोटी खावोला,
तो बेईमानी मिट ज्यासी।

झूठा वादां में मती फसो,
वादां री हवा निकल ज्यासी।
वोटां री ताकत नें समझ्यां,
दादां री जमीं खिसक ज्यासी।

नारां रे लारे मत भागो,
नारां रे नाथां घल ज्यासी।
मत बंद और हड़ताल करो,
नुकसाणं रो बच ज्यासी।

जे नेम धरम पर चालोला,
जीणें रो ढंग बदल ज्यासी।
मैणंत रा मोती बोयां सुं,
धरती रो रंग बदल ज्यासी।

कविता री कदर करोला तो,
गीतां री राग बदल ज्यासी।
रे मानुस आलस छोड ऊठो,
भारत रा भाग बदल ज्यासी।

"आपणी संस्कृति"

मारवाड़ी बोली
ब्याँव में ढोली
लुगायां रो घुंघट
कुवे रो पणघट
ढूँढता रह जावोगा .....

फळीया रो साग
चूल्हे मायली आग
गुवार री फळी
मिसरी री डळी
ढूँढता रह जावोगा .....

हान्डी मे बिलोवणो
बाखळ में सोवणों
गाय भेंस रो धीणो
ओक सु पाणी पिणो
ढूँढता रह जावोगा .....

खेजड़ी रा खोखा
भींत्यां मे झरोखा
ऊँचा ऊँचा धोरा
घर घराणे रा छोरा
ढूँढता रह जावोगा .....

बडेरा री हेली
देसी गुड़ री भेली
काकडिया मतीरा
असली घी रा सीरा
ढूँढता रह जावोगा .....

गाँव मे दाई
बिरत रो नाई
तलाब मे न्हावणो
बैठ कर जिमावणों
ढूँढता रह जावोगा .....

आँख्यां री शरम
आपाणों धरम
माँ जायो भाई
पतिव्रता लुगाई
ढूँढता रह जावोगा .....

टाबरां री सगाई
गुवाइ मे हथाई
बेटे री बरात
नीवार री खाट
ढूँढता रह जावोगा .....

आपणो खुद को गाँव
माइतां को नांव
परिवार को साथ
संस्कारां की बात
ढूँढता रह जावोगा .....

With Best Compliments from :

Ganpati Industrial Pvt. Ltd.

(Re-Roller & Manufacturer of Railway Track Materials)

Regd. Office :
'Nicco House', 3rd Floor
2, Hare Street
Kolkata - 700 001
Tel : 033 2248 4772/0675/0695
Fax : 033 2248 1877
E-mail: sales@jekay.com

Website: www.jekay.com

Factory :
Plot No. 65 & 66
Urla Industrial Area, Sector-C
Raipur-493 221 (C.G.)
Tel: 0771 4212 511/512/514
Fax No. 0771 4212 555

shri balaji ki dhani

Resort Living in an Ethnic Surrounding at Salasar, Rajasthan

- Bank Approved
- Apartments from Rs. 9 lacs onwards
- Option of Monthly Rental Income
- First Phase Possession March 2017
- Only 5 Minutes from Bala Ji Temple

Welcome to shri balaji ki dhani Salasar's First resort style living. Unmatched elegance and peace to give you the ultimate experience of a lifetime. Rejuvenate life under the blessed presence of Salasar Balaji.

Location Map

Reception

Meditation Center

TIERRA

Developer:
Tierra BuildTech Pvt. Ltd.

Corporate Office:
D 78, Sector 7,
NOIDA , UP 201301
Mob: +91 99711 26699

Kolkata Office:
708/1 (GF) Block P,
New Alipur,
Kolkata - 700 053.
Mob: +91 99711 26699
+91 96740 05506

Salasar Site:
Shri Balaji Ki Dhani,
Village-Juliyasar,
Salasar Laxmangarh Road, Salasar,
District-Sikar, Rajasthan - 331 506
Mob: +91 93140 84967

www.balajikidhani.com
https://web.facebook.com/BalajiKiDhani

व्यंग

हरियाणा की ताई

एक बार एक मुकदमे में ताई गवाह बना दी गई।
ताई कोर्ट में जा कर खड़ी हो गई,
दोनो वकील भी ताई के गाँव के ही थे।
पहला वकील बोला - ताई तू मन्ने जाने है?
ताई बोली - हाँ भाई तू रामफूल का छोरा है ना,
तेरा बापु घणा सूधा आदमी था।
पर तू निक्कमा, एक नम्बर का झूठा।
एक झूठ, बोल बोल कर के तूं लोग ने ठगै है।
“झूठे गवाह” बना कर के तू केस जीते सै।
तेरे से तो सारे लोग परेशान है,
तेरी लुगाई भी परेशान हो कर के तन्ने छोड़ के भाज गई।
वकील बेचारा चुप हो कर के देखने लगा।
उसने सोचा तेरी तो बेइज्जती हो गई
अब दूसरे की और करा,
उस वकील ने थोडी देर में
दूसरे वकील की तरफ इशारा कर के,
पूछा - “ताई” तू इसने जाणे से के?
ताई बोली - “हाँ”
यो फुलीयो काणे का छोरा सै।
इसके बापू ने निरे रूपिये खर्च करके इसे पढ़ाया पर इसने ‘आंक’ नही सीखा।
सारी उमर छोरियां के पीछै हांडे गया।
(कोर्ट में बैठी जनता हांसने लागी)
जज बोला - “आर्डर आर्डर”।
और दोनो वकीलों को अपने चेम्बर में बुलाया।
जज बोला - अगर तुम दोनो वकीलों में से किसी ने भी इस ताई से यो पूछा के,
“इस जज ने जाणे से”
तो मैं थारे गोली मरवा दूँगा।

डोकरी

सालासर स्यूं एक डोकरी जयपुर जाबा आळी बस में बैठी अर् कंडक्टर स्यूं बोली बेटा चौमु आ ज्यावे तो म्हाने बता दीज्ये।

कंडक्टर बोल्यो ठीक है माता जी बता दे स्यूं।

सीकर आयो तो डोकरी बोली ए बेटा चौमु आ गो के?

कंडक्टरः- माता जी हाल कोणी आयो आ सी तो मैं बता दे स्यूं..

थोड़ी देर बाद राणोली कन्ने सी डोकरी फेर बोली बेटा चौमु आ गो के।

कंडक्टरः- माता जी मैं थाने बता दे स्यूं थे बार बार मत पूछो।

पलसाना आयो तो डोकरी होले सी बोली ए बेटा चौमु आ......

कंडक्टर ने बोल्यो रे डोकरी बोली बाली कोणी रई जै तेरै श्यूंत किती बार कह दियो मैं बता दे स्यूं...

डोकरी बेचारी चुप हो र बैठगी..

रिंगस कन्ने सी डोकरी होलै सी फेर बोली ए बेटा........

अर् कंडक्टर लाल पोली हो र डोकरी नै हड्काई तू क्यूं मेरी जान खाबा लाग री है तन्ने कित्ती बार के दियो अब कै बोली तो बस स्यूं नीचे उतार दे स्यूं..

डोकरी बेचारी फेर बैठ गी.

गोविन्दगढ़ मैं सवारियां ज्यादा ही अर् बस ठसा ठस भर गी कंडक्टर टिकट कतबा लाग गो अर् चोमू निकल गो, बस जयपुर कै कन्ने सी पुगन आळी होगी तो डोकरी स्यूं कोणी रयो गयो बोली बेटा झाल मत करी चौमु आयो कोणी के.......

अर् अब बस की सारी सवारियां कंडक्टर कै सर पै चढ गी “आ बापड़ी डोकरी कद सी तन्ने कह री ही फेर भी तूं इनै चोमू आयो तो बताई क्यूं कोनी..अब बस नै पाछी मोड।

बेचारो कंडक्टर के करतो। बस पाछि मोडी, चौमु आयो अर् बोल्यो डोकरी अब तावली सी उतर ले चौमु आ गो..

डोकरी झोले में स्यूं दवाई की शीशी काडी, दवाई ले र पानी पियो अर् बोली अब चलो..

कंडक्टर बोल्यो तन्ने अठै उतरणो कोनी के?

डोकरीः- उतरणो किने है, मेरो बेटो मन्ने आ दवाई समझा र भेजी ही कै जद चौमु आ ज्यावै तो आ दवाई ले लीजै..म्हाने तो जयपुर जाणो है भाया.....

सम्मेलन की संबंद्ध संस्था

सीकर नागरिक परिषद

सीकर जिला वेलफेयर ट्रस्ट

मानद् ट्रस्टीगण

श्री प्रह्लादराय अग्रवाल, श्री श्रीप्रकाश सोमानी, श्री सत्यनारायण विदावतका, श्री घनश्यामप्रसाद सोभासरिया, श्री अरविन्द बियानी, श्री सुरेशकुमार पाटनी, श्री अशोक तोदी, श्री बनवारीलाल मित्तल, श्री राजेश बजाज, श्री सुरेशकुमार जालान, श्री हरिप्रसाद अग्रवाल, श्री मुरारीलाल खेतान, श्री धर्मचन्द जैन, श्री महेश चोखानी, श्री राजीव अग्रवाल, श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, श्री इन्द्रचन्द्र गुप्ता, श्री भगवती प्रसाद जालान, श्री रवीन्द्र चमड़िया, श्री ब्रह्मानन्द अग्रवाल।

सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता)

कार्यकारिणी समिति - २०१६

श्री घनश्याम प्रसाद सोभासरिया, अध्यक्ष
श्री सुरेश कुमार जालान, उपाध्यक्ष
श्री दामोदर प्रसाद विदावतका, सचिव
श्री सुरेश कुमार शर्मा, सह-सचिव
श्री अनिल कुमार पोद्दार, सह-सचिव
श्री श्रीमोहन चौधरी, कोषाध्यक्ष
श्री नवनीत सोढ़ानी, ऑडिट मैनेजर

सदस्यगण

श्री विनोद अग्रवाल, श्री कमल प्रसाद चौधरी, श्री काशी प्रसाद चेलिया, श्री केशव प्रसाद सोमानी, श्री ललित कुमार थर्ड, श्री मधुसूदन बियानी, श्री पंकज सीकरिया, श्री पवनकुमार तोदी, श्री पवन कुमार मोदी, श्री रामोतार अग्रवाल (मोर),

अध्यक्ष

श्री घनश्याम प्रसाद सोभासरिया

सचिव

श्री दामोदर प्रसाद विदावतका

श्री रमेश कुमार शर्मा, श्री रवि लोहिया, श्री सुनील कुमार सोमानी, श्री सुशील कुमार अग्रवाल।

मानव सेवार्थ - अनवरत हमारे बढ़ते कदम

शिक्षा प्रसार योगदान हेतु

खरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र, सीकर भवन (सिलाई – कढ़ाई व बुनाई, सौन्दर्यीकरण, मेंहदी व साज-सखा, भारतीय व पाश्चात्य नृत्य), निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें व स्कूल ड्रैस वितरण, मेधावी विद्यार्थी सम्मान, प्रयोगशाला एवं शिक्षण कक्षाओं का निर्माण, स्कूल शौचालय निर्माण, छात्रवृत्ति प्रदान।

भवन संचालित निःशुल्क सामाजिक सेवायें

चक्षु चिकित्सालय (परोक्षण, ऑपरेशन व चश्मा वितरण), दन्त चिकित्सालय, होमियोपैथी चिकित्सालय, फिजियोथैरापी चिकित्सालय, एलोपैथी परामर्श केन्द्र, रोग परीक्षण शिविर (मासिक), नृत्य प्रशिक्षण, ज्योतिष, वास्तु व हस्त विशेषज्ञ सेवायें।

विविध सामाजिक सेवायें (ग्रामीण अञ्चलों में)

निःशुल्क चक्षु परीक्षण शिविर (चश्मा, दवाई व ऑपरेशन), निःशुल्क विकलांग शिविर (कृत्रिम अंग प्रदान), स्थायी जलमन्दिर (प्याऊ) निर्माण, जल वितरण, अन्न-वस्त्र वितरण, अग्निपीड़ित सहायक, यात्रीकक्ष निर्माण, गोवंश सम्बर्धन, ट्यूबैल निर्माण।

बधाई

श्री देवेन्द्र झाझरिया

पैराओलम्पिक में भारत के चुरु निवासी देवेन्द्र झाझरिया को स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई।

श्री सौरभ कोठारी

विलियर्ड एवं स्नूकर के खिलाड़ी श्री सौरभ कोठारी को इस वर्ष भारत सरकार ने अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी श्री कोठारी को पुरस्कृत किया।

ANMOL®

The Right Bite

BISCUITS

Even before

"Good morning"

we are the first thing on

a million lips every day.

Enjoy fresh-baked goodness.

www.anmolbiscuits.com

L&K | SAATCHI & SAATCHI

300 RESIDENTIAL COMPLEX

Parnasree Green

Actual View

THE PREMIUM LIFESTYLE AWAITS YOU.

After the successful completion of the Parnasree Green Phase I, SKDJ Group now launches the PG Height (Phase II).

The biggest jewel in the crown of Parnasree Green the Phase II shall consist over 90 Premium Residences spread across 10+ storeys with various modern amenities. Located on the 60 feet wide, prominent Upendra Nath Banerjee Road it shall be the Largest Complex with State-of-the-art security in Parnasree.

Close to New Alipore, Parnasree Green Phase II is well connected to Schools, Hospitals, Metro and Multiplexes etc. with public transport facilities right at the doorstep.

Swimming Pool | Community Hall | Indoor Games
Multi-gym | Children's Play Area | Jogger's Track

Marketed By
SOMANI REALTORS™
Home for All

Developed By
SKDJ Group

Contact us:
033 6459 5959
97 4848 5858

महाकवि कन्हैयालाल जी सेठिया के जन्मजयन्ती पर विशेष

"थाणै आवे लाज बताता निज नै राजस्थानी"

– **शिव कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय महामंत्री

बात कई वर्षो पहले की है। समाज विकास में ही श्रद्धेय स्व. कन्हैयालाल सेठिया की अमरकृति 'धरती धोरा री' रचना सर्वप्रथम पढ़ी थी। रोमांच की लहर दौड़ गई। कलम उठाकर तुरंत अपनी प्रतिक्रिया भेजे बिना नहीं रह सका, जो पत्रिका में छपी भी थी। अन्य अमरकृति 'पातल एवं पीथल' का कुछ भाग मेरे पिताजी को कंठस्थ था। जब कोई जोश भरने की बात होती तो सदैव ही वे उन पंक्तियों को दोहराया करते थे। इनके रचयिता महाकवि कन्हैयालाल जी सेठिया के नैसर्गिक विलक्षण प्रतिभा के प्रति सम्मानपूर्वक

राजस्थान की तत्कालीन राज्यपाल (एवं वाद में भारत की महामहिम राष्ट्रपति) श्रीमती प्रतिभा पाटिल के साथ सेठियाजी, उनकी धर्मपत्नी धापूदेवी एवं ज्येष्ठ पुत्र जयप्रकाशजी।

नतमस्तक हुए बिना नहीं रहा जा सकता। सेठिया जी ने अपने जीवन काल में रचनाओं का विशाल साम्राज्य गढ़ा। मुख्यतः सेठियाजी को राजस्थानी भाषा के कवि के रूप में जाना जाता है। अपेक्षाकृत कम लोग ही जानते होंगे कि उनकी हिन्दी रचनाओं की संख्या राजस्थानी भाषा से अधिक है। हिंदी भाषा के रचनाकार के रूप में उनकी स्वतंत्र पहचान के वे हकदार हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। १४ राजस्थानी भाषा के काव्य संग्रह, १८ हिन्दी में एवं २ उर्दू में काव्य संग्रह रचना कर सेठिया जी ने साहित्य की अप्रतिम सेवा की है। उनके विशाल रचना संसार में सब प्रकार के रंग भरे हुए हैं। राजस्थान की शौर्य गाथा, वहाँ की विरल संस्कृति, वहाँ का जनमानस, वहाँ की प्राकृतिक विशिष्टताएँ आदि उनके रचनाओं के माध्यम से पाठकों के हृदय में रच-बस जाती है। राजस्थानी की धरती को काव्य रचना के माध्यम से जिस प्रकार उन्होंने जन मानस में प्रतिष्ठित किया है, शायद उसका सही मूल्यांकन अभी शेष है। उनकी रचना में स्वाभिमान, गहन दार्शनिकता के साथ सहजता एवं सरलता का अद्‌भुत सम्मिश्रण है। 'आतम कथा' शीर्षक कविता में स्वयं का परिचय वे यूँ करवाते हैं –

सुरसत पूजी मैं नहीं, नह लिछमी स्यूं हेत
मैं माथ्यो ऊँचा फिरयो, जलम-भोम की रेत
मिलसी रोटी दाल पूनज्यू, मिले धूप जल,
जको वणाई चूंच नै वो ही देसी चून
इण आतम विसवास स्यूं, डिग्यो नही खिण एक
आई माया ठगण नै धर कर रुप अनेक
करी सबद री साधना असबद म्हारो ईठ
रुप रंग रस-गंध री तिसणा छूटै नीठ

कौन भला उनके उद्‌गार - 'करी सबद की साधना' से इंकार कर सकता है। वास्तविक में माया से दूर काव्य साधना के संत के रुप में उन्होंने अपना जीवन जिया।

११ सितम्बर १९१९ में सुजानगढ़, राजस्थान में जन्मे सेठिया जी कोलकाता को अपना निवास चुना। लीलटांस के लिए साहित्य अकादमी, सबद्‌ काव्य संग्रह के लिए राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर द्वारा सर्वोच्च पुरस्कार के अलावा ज्ञानपीठ के मूर्तिदेवी पुरस्कार से पुरस्कृत महाकवि सेठिया को भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था।

धर्म-दर्शन के गूढ़ रहस्य को सहजता से कहती हुई उनकी एक कविता कुछ इस प्रकार है –

किसी खुसबू/किसी बदबू/कोनी जाणै पवन
किस्यो ईंधन/किस्यो चित्रण/कोणी जाणै अगन
किस्यो अंधेरो/किस्यो सबेरो/कोणी जाणे गगन
सिसटी अभेद/करे मिनख भेद

'करे मिनख भेद' के तीन शब्दों में जो रचनाकार इतनी गहराई भर देता है उसकी रचना अधिक से अधिक पढ़ने का मन होता है। इससे ज्ञानवर्द्धन के साथ पाठकीय आनंद भी प्राप्त होता है। एक अन्य कविता मर्म शीर्षक की इस प्रकार है–

गत/आगत/अनागत
सब कोई अभ्यागत।

एक अन्य रचना कहती है-

मौन प्रार्थनाएँ/जल्दी पहुँचाती है/ईश्वर तक।
क्योंकि/मुक्त होती है वे/शब्दोंके बोझ से

एक अन्य कविता-

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

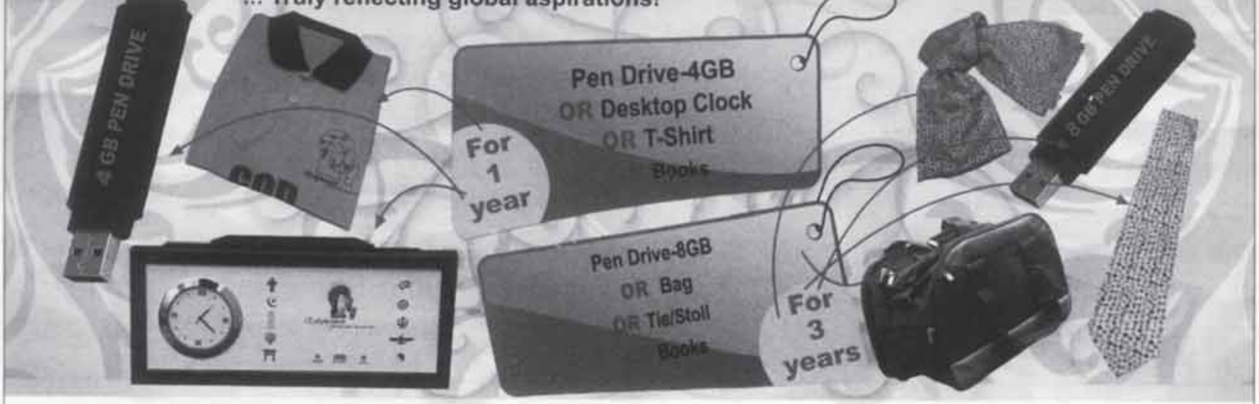

Subscribe **Business Economics** :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | For 3 years Books of choice upto ₹ 1440

Business Economics

Subscription Form

Name : Mr./Ms.__________

Address : __________

__________ City/District: __________

State: __________ Country: __________ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : __________ Mobile : __________ Landline : __________ STD CODE

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. __________ dated: __________ for Rs. __________ drawn on: __________

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: __________ date: __________

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai** : Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima** : Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

फूल बिहँसता, शूल मौन है। एक डाल के दोनों साथी
दोनों को है हवा झुलाती/फूल झरेगा, शूल रहेगा।
सत्य कौन है, भूल कौन है?

गागर में सागर भरी हुई एक रचना के माध्यम से उन्होंने संसार के मुखोटों पर करारी चोट की है। 'संसार' शीर्षक कविता इस प्रकार है।

यह है/ रामलीला के/ सामान की/ दुकान
जहा राम और रावण के / मुखौटों के/ एक ही दाम

एक अन्य कविता 'सड़क' की बानगी देखिये -

रास्ता/पैरों का/ शिष्य है/ जो/ मान लेते हैं/उसे गुरु/ उन्हें/ नहीं मिलती मंजिल।

सेठिया जी की रचनाएँ पढ़कर ऐसा लगता है कि उनका सृजन स्वतः स्फूर्त है। रचनाओं में गांभीर्य, प्रवाह, रूप, शब्दों का विन्यास, भावप्रवणता एवं सरल शब्दों का सहज प्रयोग पाठक को अभिभूत कर देती है। इन पंक्तियों को लिखते-लिखते यह कसक दिल में उठती है कि सेठिया जी सिर्फ मायड़ भाषा के रचनाकार के रूप में प्रतिष्ठित हैं। आज राजस्थानी भाषा के पाठक तो दूर, भाषा बोलने वालों की संख्या दिन पर दिन कम होती जा रही है। जिस कवि की रचना इतने विशाल कैनवास पर स्थापित हो, उसका पुनर्मूल्यांकन होना अति आवश्यक है। राजस्थानी भाषा की उपेक्षा का खामियाजा सेठिया जी एवं उनकी कृति को आज झेलना पड़ रहा है। स्वयं उन्होंने अपनी एक कविता में इस ओर अपने विचार व्यक्त किये थे। राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति की उपेक्षा पर उन्होंने अपना मंतव्य इस प्रकार दिया था –

इंया हुयो के साव खूटगी क्यू थारी पूनवानी
छोडूयो भेखा छोड दी भासा भला बण्या विणजारा
लिया अमोलक रतनां बदले थे लोंटा रा भारा
किया कंवा म्हे स्याणा थानै टाबर बुध स्याच्याणी
गुजराती पंजाबी, सिन्धी आं मे भी बेपारी
पण सगला मे रल मिल राखी निज पिछाण अै न्यारी
थानै आवे लांज बताता निज नै राजस्थानी
आज जको भारत है वीरा थे मोटा निरमाता
पण निजरी ओकात भूलग्या सिरजणहार विधाता
कुण गिनारसी थे ही थां री खिमता नही पिछाणी

समाज को उनकी इस सीख से सीखना चाहिए। हम अपने अस्तित्व की रक्षा अपने मूल से जुड़े रहकर ही कर सकते हैं। सेठिया जी आज हमारे बीच नहीं है, पर वे अपनी रचनाओं के माध्यम से जीवंत हैं। स्वयं उन्होंने लिखा था -

बुझसी धूणी देह री, अबै हुए परतीत
पण आयेमे गूंजता, रेसी म्हारा गीत। ★★★

बुजुर्गों का सम्मान और उनकी देखभाल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन समाज में बुजुर्गों के समुचित सम्मान और उनकी आदरपूर्वक देखभाल के विषय में अपने विभिन्न मंचों पर विचार-विमर्श करता रहा है और इस विषय पर युवक-युवतियों के ध्यानाकर्षण हेतु सचेष्ट रहा है। प्रस्तुत ब्लॉग में झारसुगुडा (ओडिशा) निवासी सुश्री प्रतिभा बोंदिया ने अपने पितामह श्री सीताराम जी बोंदिया के प्रति अपने मनोभाव प्रकट किए हैं। ज्ञातव्य है कि सुश्री प्रतिभा बोंदिया ने अमेरिका की अरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी से ऐग्री बिजनेस मैनेजमेंट में एम.एस. की डिग्री हासिल की है। – सम्पादक

Grandparents

– Pratibha Bondia

My grandfather is not doing well for the last few weeks. I stayed back home to spend some time with him. Looking at him now, resting in bed all day long, I keep remembering our old days together. We used to laugh, talk & even fight together. I used to ask him to buy me expensive gifts once in a while just to tease him and enjoy his reaction. He used to come to my room every half an hour to ask my well being and whether I had any food or not. At times, I used to get angry to him for doing this. Today, I regret all those moments of anger and just want him to stand up and come to my room every 10 minutes. Our family doctor, Dr. Jain uncle explained me the psychology of old people very nicely.

"Everyone needs personal attention & old people need personal touch for everything. When they don't get the attention they need, they start getting depression. They know that they have become old and will be ignored now. No one will listen to them even if they say something to someone.

We need to give time to each & everyone in our life, especially to old people of our family. They need your time and attention just like a small baby. Think them as old babies now. They don't express their grief but there is deep pain of being ignored among old people. We need to give them personal attention and time as they grow old."

He explained it very beautifully to me in two minutes. It got me thinking of their pain and the reality of the words he was speaking. I am trying my best to heal the wounds of our relationship and asking his forgiveness for all the times that I avoided him and was angry to him. We often get so entangled in our own things, life and career that we forget what the true gift in our life is. We do spend hours chatting with our friends online each day but hardly an hour sharing stories with our grandparents in a week. I think, we all really need to think on this.

I wish, I could go back in time and do it all over again but whatever gone by has passed. I am happy that at least now I am giving my 100% to him and my heart is at peace by doing it.

Lesson learnt : Be very polite with your grandparents always and spend some quality time with them each and every day. ★★★

IISD

SREI Foundation

A Gateway to Careers

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

3 Yrs. #BBA ₹ 75,000

2 Yrs. #MBA + PGPM ₹ 85,000

3 Yrs. #BCA ₹ 75,000

2 Yrs. #MBA (Hospital Mgmnt.) ₹ 95,000

2 Yrs. PGDM ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. #MBA + PGDM ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW
- APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty
- Online Application Facility
- Regular/Weekend Classes
- Hostel
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English
- Foreign Languages
- Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development
- Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship
- Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I
- Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi
- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview
- Certificate Course on Computer Applications
- Advanced Diploma in Financial Management
- Vocational & Technical Training
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance
- Certificate course on theology

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 15th October 2016
RNI Regd. No. 2866/68

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com